vinetur

संरक्षित खाद्य और पेय नामों के लिए उत्तरी आयरलैंड के नियमों पर ब्रिटेन ने मांगी राय

Defra का कहना है कि परामर्श से विंडसर फ्रेमवर्क के तहत भौगोलिक संकेतकों और स्पिरिट पेय के प्रवर्तन की घरेलू प्रक्रियाएं तय होंगी

मंगलवार, 24 नवंबर 2026



ब्रिटिश सरकार उत्तरी आयरलैंड में भौगोलिक संकेतकों और स्पिरिट पेय के मानकों से जुड़े नियमों के प्रस्ताव पर राय मांग रही है। इस परामर्श में 4 जनवरी, 2027 तक प्रतिक्रिया दी जा सकती है।

पर्यावरण, खाद्य और ग्रामीण मामलों के विभाग (Defra) द्वारा प्रकाशित यह परामर्श घरेलू कानून में उन बदलावों पर केंद्रित है, जो विंडसर फ्रेमवर्क के तहत उत्तरी आयरलैंड में लागू यूरोपीय संघ के दो नियमों को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी हैं। इनमें से एक भौगोलिक संकेतकों से संबंधित विनियमन (EU) 2024/1143 है और दूसरा स्पिरिट पेय के लेबलिंग और संरचना के नियम तय करने वाला विनियमन (EU) 2019/787 है।

Defra ने कहा कि यह परामर्श इस बात पर नहीं है कि यूरोपीय संघ के ये नियम उत्तरी आयरलैंड में लागू होने चाहिए या नहीं। विभाग के मुताबिक, विंडसर फ्रेमवर्क के तहत ब्रिटेन पहले से ही वहां यूरोपीय संघ की प्रासंगिक आवश्यकताओं को

प्रभावी करने के लिए बाध्य है। इसके बजाय, वैधानिक साधन को अंतिम रूप देने से पहले विभाग घरेलू प्रक्रियाओं और प्रवर्तन प्रणाली के कामकाज पर सुझाव और प्रमाण मांग रहा है।

यह प्रस्ताव केवल सीमित कानूनी मसौदा-लेखन तक सीमित नहीं है, क्योंकि इसका असर इस बात पर पड़ेगा कि ब्रिटेन के उस बाजार में संरक्षित उत्पाद नामों के लिए आवेदन कैसे किया जा सकता है, उन पर आपत्ति कैसे उठाई जा सकती है और उनका प्रवर्तन कैसे किया जा सकता है, जहां यूरोपीय संघ की विशिष्ट नियामक आवश्यकताएं अब भी लागू हैं। पेय उत्पादकों के लिए इससे वाइन और स्पिरिट से जुड़े नामों की सुरक्षा की प्रक्रिया तय हो सकती है। साथ ही, स्पिरिट पेय के लेबलिंग और संरचना से जुड़ी अनुपालन जांच पर भी इसका असर पड़ सकता है।

भौगोलिक संकेतक, जिन्हें अक्सर GI कहा जाता है, उन उत्पादों के नामों की सुरक्षा करते हैं जिनकी गुणवत्ता या प्रतिष्ठा किसी खास स्थान से जुड़ी होती है। पेय कारोबार में इसमें ऐसी वाइन और स्पिरिट शामिल हो सकती हैं जिनके नाम क्षेत्रीय मूल और मान्यता प्राप्त उत्पादन विधियों पर निर्भर करते हैं। Defra के परामर्श में कहा गया है कि सरकार आवेदन, आपत्ति और अपील के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय प्रणाली की स्पष्टता और व्यावहारिकता पर राय चाहती है।

विभाग यह भी पूछ रहा है कि कृषि-खाद्य उत्पादों, वाइन और स्पिरिट पेय के भौगोलिक संकेतकों के लिए एक ही बुनियादी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए या नहीं। अलग-अलग श्रेणियों में काम करने वाले कारोबारों और व्यापार संगठनों के लिए यह सवाल महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे अलग-अलग उत्पादों के लिए अलग प्रक्रियाओं के बजाय एक समान प्रक्रिया को प्राथमिकता दे सकते हैं।

परामर्श का एक अन्य हिस्सा इस बात से जुड़ा है कि आवेदकों और आपत्ति दर्ज कराने वालों से एक-दूसरे के साथ परामर्श करने और परामर्श रिपोर्ट तैयार करने की क्या अपेक्षा होगी। यह संरक्षित नामों को लेकर विवादों के व्यावहारिक पहलू को सामने लाता है। ऐसे मामलों में उत्पादकों, उद्योग समूहों और अन्य हितधारकों की पात्रता, बाजार पर असर या भ्रम की आशंका को लेकर अलग-अलग राय हो सकती है।

स्पिरिट पेय के मामले में Defra लेबलिंग और संरचना से जुड़े यूरोपीय संघ के विनियमन से संबद्ध घरेलू प्रवर्तन प्रावधानों को अद्यतन करने पर राय मांग रहा है। इसमें इन प्रवर्तन बदलावों के व्यावहारिक प्रभाव के साथ-साथ संभावित लागत, बचत, क्रियान्वयन पर असर और अनपेक्षित परिणाम शामिल हैं। परामर्श सामग्री में यूरोपीय संघ के मूल मानकों को फिर से खोलने का प्रस्ताव नहीं है। इसका ध्यान इस बात पर है कि घरेलू कानून के माध्यम से उत्तरी आयरलैंड में उन मानकों को कैसे लागू किया जाए।

इसका उत्तरी आयरलैंड में उत्पाद बेचने वाले डिस्टिलर्स, आयातकों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है। लेबलिंग और संरचना के नियम यह प्रभावित कर सकते हैं कि उत्पादों का विवरण कैसे दिया जाए, कुछ श्रेणियों के तहत किन सामग्रियों या उत्पादन विधियों को मान्यता मिले और कोई उत्पाद मानक पर खरा न उतरने पर नियामक कैसे कार्रवाई करें। ऐसे बाजार में जहां इन क्षेत्रों में यूरोपीय संघ के नियम लागू रहेंगे, घरेलू प्रवर्तन ढांचा तय कर सकता है कि कारोबारों के लिए अनुपालन कितना अनुमानित और बोझिल होगा।

परामर्श पृष्ठ के अनुसार, लोग ऑनलाइन सर्वेक्षण के जरिए अपनी राय दे सकते हैं। Defra ने सहायक दस्तावेज भी प्रकाशित किए हैं, जिनमें गोपनीयता सूचना, उत्तरी आयरलैंड के भौगोलिक संकेतकों और स्पिरिट पेय पर परामर्श पत्र तथा परामर्श संबंधी पत्र शामिल हैं।

यह प्रक्रिया विंडसर फ्रेमवर्क से जुड़े जारी कानूनी और प्रशासनिक काम का हिस्सा है। इस फ्रेमवर्क ने ब्रेक्जिट के बाद उत्तरी आयरलैंड के लिए व्यापार और नियमन की एक अलग व्यवस्था बनाई। इस मामले में सरकार यूरोपीय संघ के दायित्वों को ऐसी घरेलू प्रक्रियाओं में ढालने की कोशिश कर रही है जिनका अधिकारी, उत्पादक और प्रवर्तन निकाय व्यावहारिक रूप से इस्तेमाल कर सकें।

पेय क्षेत्र की कंपनियों के लिए इस प्रक्रिया का नतीजा उत्तरी आयरलैंड में संरक्षित नामों के प्रबंधन और उनकी रक्षा के

तरीके तथा स्पिरिट पेय के नियमों के जमीनी प्रवर्तन को प्रभावित कर सकता है। यह उन कारोबारों के लिए खास तौर पर प्रासंगिक है जो ऐसी वाइन और आसुत उत्पादों से जुड़े हैं जिनकी बाजार तक पहुंच और ब्रांड मूल्य बनाए रखने के लिए मूल स्थान के दावे, श्रेणी की परिभाषाएं और लेबल की मंजूरी महत्वपूर्ण हैं।